



नेपाल राजपत्र

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

खण्ड ५१) काठमाडौं, असोज ५ गते २०५८ साल (अतिरिक्ताङ्क ३४)

भाग ४

श्री ५ महाराजाधिराजका प्रमुख सचिवालय
राजदरबारको सूचना १

श्री ५ महाराजाधिराजबाट विमूषण (चौथो संशोधन) नियमावली, २०५८ बमोजिम श्री ५ बडामहारानी कोमल राज्यलक्ष्मी देवी शाहलाई आज २०५८ साल असोज ५ गतेका दिन नेपाल अधिराज्यको मानपदवीहरूका पृथुलाधीश तोकिबक्सेको छ। साथै मौसूफबाट श्री ५ बडामहारानी कोमल राज्यलक्ष्मी देवी शाहलाई नेपाल प्रतापभाष्करको मानपदवी पनि बक्सेको छ।

सूचना २

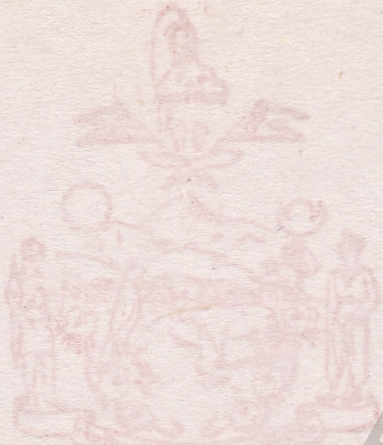
माननीय संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री बलबहादुर के.सी. दक्षिण कोरियाको सिउल तथा जापानको ओसाकामा आयोजना हुने विश्व पर्यटन संगठनको १४ औं साधारण सभामा भाग लिन २०५८ साल असोज ५ गते त्यसतर्फ जानु भएकोले उहाँको अनुपस्थितिमा उहाँले सम्हाली आउनु भएको संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालयको कार्यभार सम्माननीय प्रधानमन्त्रीको सिफारिशमा माननीय जलन्धोत मन्त्री श्री विजयकुमार गच्छदारले सम्हाल्नु हुनेछ।

हुकुम बक्से बमोजिम,
पशुपतिभक्त महर्जन

श्री ५ महाराजाधिराजका प्रमुख सचिव

मुद्रण विभाग, सिंहदरबार, काठमाडौंमा मुद्रित।

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।



कपचाड लाफ

लाफोकर आडवाकडा

४६ कृताकरोलीर) लाफ २४०९ हांगा लाफ, डिप्लोमाक (९४३३३)

४ लाफ

लाफोकर आडवाकडा

९ लाफ

२४०९, लाफोकर (लाफोकर लाफ) लाफोकर आडवाकडा ४ लाफ
लाफ २४०९ लाफ लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर ४ लाफ लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर

४ लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर

९ लाफ

लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर
लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर

लाफोकर लाफोकर

लाफोकर लाफोकर

लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर

लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर लाफोकर

आधिकारिकता मुद्रण विभाग बरत प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।